महत्वपूर्ण एवं खास

पार्षद चुनाव लड़ने से मना कर महिला की पिटाई, मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। सहेली के साथ स्कूटी से जा रही महिला का रास्ता रोककर पार्षद चुनाव न लड़ने की बात कहकर गाली गलौज कर मारपीट किए जाने की रिपोर्ट गुढ़ियारी थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार कूंदरापारा शुक्रवारी बाजार गुढ़ियारी निवासी मनीषा शर्मा 35 वर्ष पिता स्व. राजेश यादव ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 9 नवंबर को पहाड़ी चौक गुढ़ियारी में प्रार्थियां अपनी सहेली के साथ स्कूटी से जा रही थी, इसी दौरान रास्ता रोककर रूस्तम कुर्रे 40 वर्ष पिता चिंता कुर्रे ने पार्षद चुनाव नहीं लड़ोगी कहकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट कर चोट पहुंचाया। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

50 ग्राम चरस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजेंद्र नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पचपेढ़ी नाका के पास मादक पदार्थ बेचने की सूचना पर छापा मारकर जमीर रिजवान अली 61 वर्ष पिता स्व. शरीफ अली को गिरफ्तार कर उसके पास से 50 ग्राम चरस जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट 18 के तहत अपराध कायम कर जेल भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ महाबंद को लेकर हुई चर्चा

महासमुंद (आरएनएस)। सर्वसमाज (एससी,एसटी,ओबीसी और माइनोरिटी) की बैठक गुरूवार को कर्मा सदन महासमुंद में हुई। इस दौरान 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के समर्थन में 13 नवंबर को छत्तीसगढ़ महाबंद को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक व आंदोलन के मुख्य संयोजक नंदकुमार बघेल सहित ओबीसी महासभा प्रदेशाध्यक्ष शगुनलाल वर्मा,बंटी साहू, कमलेश ध्रुव,एसआरबंजारे,दिनेश बंजारे, मुन्ना साहू आदि मौजूद रहे।

मिर्गी पीड़ित युवक तालाब में डूबा, मौत

महासमुंद (आरएनएस)। मिर्गी का दौरा पडने से तालाब में डूबकर मौत हो गई। सरायपाली क्षेत्र के ग्राम अंतरछोला निवासी मोहन पिता स्व भरत भोई ने थाने में इस घटना की सूचना दी। पुलिस के अनुसार गुरूवार सुबह 11.30 बजे पूर्णनंद पिता भरत भोई (32) गांव के तालाब में नहाने के लिए गया था, इस दौरान अचानक मिर्गी का दौरा पडने से डूबकर उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

पटवारी की पिटाई, दो के खिलाफजुर्म दर्ज

महासमुंद (आरएनएस)। धान बेचने पंजीयन कराने पटवारी कार्यालय पहुंचे किसानों ने पटवारी की जमकर पिटाई कर दी। आरंगी पटवारी गजेन्द्र कुमार दीवान के अनुसार गुरूवार पौने 4 बजे फसल कटाई प्रयोग करके वह कार्यालय के पास पहुंचा। रास्ते में कार्यालय की चाबी खो जाने से वह ताला खोलने का प्रयास कर रहा था। इस दौरान जबलपुर निवासी शंभू बारिक और उनके साथी पहुंचे और कहा कि धान पंजीयन में संशोधन करवाना है। जिस पर उसने चाबी गुम जाने और अभिलेख देख कर ही सुधार करने की बात कही। इतने में शंभू और उसके साथी ने पटवारी से गाली गलौज शुरू कर दी। मना करने पर मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। कुछ देर बाद वह आरंगी से पथरला पटवारी कार्यालय पहुंचा तो वहां भी शंभू और उसके साथी पहुंचकर चप्पल से मारपीट की। पटवारी की शिकायत पर दोनों ग्रामीणों के खिलाफ धारा 186, 294, 332, 353, 506/34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

आटो चालक ने बाइक को ठोकर मारी, चालक गंभीर

महासमुंद (आरएनएस)। तुमगांव मार्ग में अज्ञात आटो चालक की ठोकर से एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक आटो लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने डायल 112 की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हे रायपुर रिफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक कांपा निवासी मीर जाकिर अली पिता हमीद अली बाइक क्रमांक सीजी 06 जीजे 2125 से दुकान के सामान की खरीद कर वापस लौट रहा था तभी तुमगांव रोड स्थित चोपड़ा राईस मिल के पास उसे आटो ने ठोकर मार दी जिससे वह घायल हो गया। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने आटो चालक के खिलाफ धारा 279,337 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

फांसी पर मिली युवक की लाश

महासमुंद (आरएनएस)। बेलसोंडा रेलवे फाटक के पास शनिवार सुबह पेड़ पर फांसी पर लटकी युवक की लाश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की लाश पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दी। जानकारी के अनुसार सुबह वहां से गुजर रहे लोगों ने फांसी पर लटकी युवक की लाश देखी। जेब से मिले मोबाइल से मृतक की पहचान जशपुर जिले के ग्राम पतोराडीपा निवासी हेमंत सिंह(23) के रूप में हुई है।

बीमारों को और बीमार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा मेकाज

जगदलपुर। जिस स्थान पर बीमार मरीज अपने इलाज व ठीक होने के लिए आता है, उसी स्थान पर उसे बीमारियां और लग जाती हैं। कुछ ऐसा ही हाल आज मेडिकल कॉलेज या मेकॉज का हो गया है। टूटे-फूटे शौचालय और बाथरूम के साथ उठती हुई सड़ांध से मरीज ठीक होने के बजाय और अधिक अपने आप को अस्वस्थ अनुभव करने लगता है। आज यहां पर भर्ती मरीजों को मेकॉज में रहते हुए नारकीय अनुभव से गुजरना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि आज मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन लिफ्ट का खराब होना सामान्य सी बात हो गई है।

शहरों का नियोजित विकास और खुशनुमा वातावरण का निर्माण हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

» नगरीय क्षेत्रों में वर्षा जल संचय और नागरिकों को शुद्ध पेयजल मुहैया करानेअनेक योजनाएं संचालित

» युवाओं का सम्मान करने, उन्हें जिम्मेदारी देने तथा उन पर भरोसा करने का दिया संदेश

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'लोकवाणी' के चौथे प्रसारण में 'नगरीय विकास का नया दौर' विषय पर प्रदेश की जनता के सवालों का जवाब दिया तथा नगरीय क्षेत्रों में शासन द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि शहरों का नियोजित विकास, उत्साह से भरपूर और खुशनुमा वातावरण का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने नगरीय विकास के संबंध में लोगों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्रों में वर्षा जल संचय और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने अनेक योजनाओं संचालित है। उन्होंने कहा कि पेयजल और नगर की बसाहट बुनियादी जरूरतें हैं। सच में भू-जल स्तर का गिरना चिंता का विषय है और इसका सबसे बड़ा कारण हमारे शहरों का विकास, सीमेंट कांक्रीट के जंगल की तरह किया जाना है। शहरों के बहुत से हिस्से, घरों, व्यवसायिक भवनों, सड़कों आदि के कारण इतने ठोस हो गए हैं कि बरसात का पानी भी जमीन के भीतर नहीं जा पाता। भूमिगत जल स्तर को बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है कि सतह का पानी रिस-रिसकर जमीन के भीतर जाए। छत्तीसगढ़ को तरिया का, तालाबों का, जलाशयों का, नदियों-नालों का, जलप्रपातों का प्रदेश कहा जाता रहा है। विडम्बना है कि एक लम्बे अरसे तक सही सोच और सही योजना के बिना ही निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। ऐसे निर्माण कार्यों की वजह से हमारी जमीन की रिचार्जिंग क्षमता कम होती गई और भू-जल स्तर गिरते-गिरते अब खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। हमारी सरकार ने नियमों में संशोधन करके अब प्रत्येक आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया है। पूर्व में निर्मित भवनों में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की गई है।

स्टेशन में गंदगी का ढेर, नहीं हो रही सफाई

» ऑटो व ठेले खोमचे वाले स्टेशन के प्रवेश द्वार को कर रहे हैं जाम

भिलाई (आरएनएस)। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किये गए आव्हान के तहत देश में सफाई अभियान जोरशोर से चल रहा है। लेकिन ऐसा लगता है कि इसका असर पॉवर हाउस स्टेशन में नहीं देखा जा रहा है। ठेके पर दी गई सफाई व्यवस्था बदहाल स्थिति को प्राप्त है। अनेकों बार यात्रियों द्वारा इस संबंध में स्टेशन के जिम्मेदारों को अवगत कराया गया है बावजूद हालात जस के तस है। ज्ञातव्य है कि पॉवर हाउस स्टेशन का भिलाई स्टील प्लांट होने के कारण देश के महत्वपूर्ण स्थानों में महत्व है। वहीं स्टेशन के दोनों ओर प्रवेश द्वार के बाहर ऑटो चालकों द्वारा सवारी बैठाने के नाम पर रास्ता जाम किया जा रहा है। आसपास के ठेले गुमटी और खोमचे वाले जहां तहां चाय नास्ता बेचकर रास्ता जाम किये हैं व गंदगी फैला रहे हैं जिसके चलते स्टेशन में आने जाने के दौरान यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है वहीं गंदगी पार कर स्टेशन पहुंचने पर विशेषकर चबुतरे व बेंच की सफाई नहीं होने पर यात्रियों को घंटों खड़े होकर ट्रेन का इंतजार करना पड़ रहा है।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान करना, नया जीवन देने जैसा: उइके

» राज्यपाल निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर के समापन समारोह में हुई शामिल

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कहा कि दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान करना, उन्हें नया जीवन देने जैसा है। यह ईश्वरीय कार्य है और यह कार्य उनके सपने पूरे करने जैसा है। यह कार्य मानवता की सेवा के लिए एक बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि जब हम किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं तो सबसे अधिक आत्मसंतुष्टि मिलती है। राज्यपाल आज सुधर्म जैन समाज, रायपुर एवं वर्धमान मित्र मंडल के संयुक्त रूप से आयोजित निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम में राज्यपाल सहित अन्य अतिथियों ने दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ का वितरण भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि मन में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कितनी भी बाधा आए फिर भी लक्ष्य को प्राप्त करने से कोई रोक नहीं सकता। हमारे समक्ष अनेकों उदाहरण हैं, जिसमें शारीरिक रूप बाधित व्यक्ति भी अपनी इच्छाशक्ति एवं हिम्मत से बेहतर तरीके से जीवन जी रहे हैं। राज्यपाल ने पर्वतारोही अरूणिमा सिन्हा और छत्तीसगढ़ के दिव्यांग पर्वतारोही चित्रसेन साहू का उदाहरण देते हुए कहा कि इन्होंने अपने दृढ़ इच्छा शक्ति से माउंट एवरेस्ट तथा माउंट किलमिंजारो चोटी को फतह किया। ऐसे लोग पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं, जिन्होंने हिम्मत हारने के बजाय दृढ़ संकल्प से दुनिया जीती है तथा अपने कार्यों एवं उपलब्धियों से दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं।

व्याख्याता पद की सीधी भर्ती के लिए अभ्यार्थियों के प्रमाण पत्रों का आज होगा सत्यापन

रायपुर (आरएनएस)। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा व्याख्याता की सीधी भर्ती के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) के माध्यम से चयन परीक्षा ली गई थी। व्यापम द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के आधार पर ओवरऑल मेरिट सूची में अर्ह पाये गये अभ्यार्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण 05 नवम्बर से 11 नवम्बर तक स्थानीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर रायपुर छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। लोक शिक्षण संचालनालय के उप संचालक ने बताया कि 11 नवम्बर (सोमवार) को अंग्रेजी विषय के 593 अभ्यार्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन दो पालियों में क्रमशः प्रातः 10 बजे व दोपहर 12.30 बजे से रखा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्यापन हेतु सभी संवर्ग के अभ्यार्थियों को मेरिट सूची में ओवरऑल रैंक के आधार पर बुलाया गया है। अंग्रेजी विषय में संवर्गवार बुलाये गये अभ्यार्थियों का अनंतिम रैंक इस प्रकार है:- अनारक्षित ई संवर्ग हेतु 209 टी संवर्ग हेतु 181, अन्य पिछड़ा वर्ग ई संवर्ग हेतु 394 टी संवर्ग हेतु 352, अनुसूचित जाति ई संवर्ग हेतु 1121 टी संवर्ग हेतु 1007, अनुसूचित जनजाति ई संवर्ग हेतु 3090 टी संवर्ग हेतु 2864। इसी प्रकार दिव्यांगजनों के लिए ई संवर्ग हेतु 5288 टी संवर्ग 5003। इससे कम रैंक वालों को आमंत्रित नहीं किया गया है। दस्तावेज सत्यापन हेतु संचालनालय एवं जिला स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लगाया गया है। अभ्यार्थियों की सुविधा की दृष्टि से दस टेबल काउंटर लगाये गये है।

फसल अवशेष न जलाए, भूमि को उपजाऊ बनाए किसानों से अपील

गरियाबंद (आरएनएस)। फसल कटाई के बाद खेत में पड़े अवशेष को जलाने की प्रवृति को लेकर कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील करते हुए फसल अवशेष प्रबंधन के लाभ एवं उसे जलाने के दुष्प्रभाव से किसानों को अवगत कराया है। कृषि अधिकारियों ने बताया कि फसल कटाई के उपरांत खेत में पड़े हुए अवशेष के साथ ही जुताई कर हल्की सिंचाई-पानी का छिड़काव करने के पश्चात ट्राइकोडर्मा एवं जैविक वेस्ट डिकम्पोजर का छिड़काव करने से फसल अवशेष 15 से 20 दिन पश्चात कम्पोस्ट में परिवर्तन हो जायेगें जिससे अगली फसल के लिए मुख्य एवं सूक्ष्म तत्व प्राप्त होगें। फसल अवशेष को कम्पोस्ट में परिवर्तन होने की गति बढ़ाने के लिये सिंचाई उपरांत यूरिया का छिड़काव भी किया जा सकता हैं।

बीमारी से परेशान आरक्षक ने लगाई फांसी,पुलिस जुटी जांच में

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के सिविललाईन थाने में पदस्थ एक आरक्षक ने सिरदर्द की बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पर पहुंचकर पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनगर स्थित अपने मकान में आरक्षक बिहारी लाल साहू का शव खिड़की के ग्रिल में फांसी पर झूलता हुआ मिला। मृतक सरदर्द की बीमारी से परेशान था व कई जगह इसका इलाज भी करवाया था लेकिन अराम नही मिला। मामले में एएसपी सिटी प्रफुल्ल ठाकुर का कहना है कि जवान सिविल लाइन थाने में पदस्थ था उसको कुछ शारिक बीमारी थी, जिससे वह काफी परेशान था. उसी के चलते आज उसने अपने घर में सुसाइड कर लिया है। फिलहाल पीएम रिपोर्ट में जो भी बात सामने आएगी उस आधार पर जांच की जाएगी.प्रारंभिक तौर पर बीमारी की बात सामने आई है। जवान के दो बच्चे हैं, उसी के साथ वह रहता था। पांच दिन की छुट्टी पर था वह अपने गाँव आरंग पहंदा गया हुआ था. परसों ही वहां से लौटा है.

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं ग्वर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती रेवन्ता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं व्यवहारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं सैधांतिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को अवगत्त से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा सैधांतिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

अबूझमाड़ के नृत्य की पूरी दुनिया में है धूम

» माड़ की धरती पर गूंजी मांदर की थाप

नारायणपुर (आरएनएस)। अबूझमाड़ के नर्तक दलों की धूम बस्तर ही नहीं पुरी दुनिया में है। उनके आभूषण, पहनावा, नृत्य मुद्रायें सब कुछ बेहद आकर्षक और ख़ास हैं। यहाँ के अबुझमाड़ियों की नृत्य शैली किसी का भी मन मोहने वाले गौर माड़िया नृत्य में मांदर की थाप से पैर अपने आप थिरकने लग जाते हैं। उक्त बातें विधायक चंदन कश्यप ने आज राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में कही। इस अवसर पर सीईओ जिपं प्रेमकुमार पटेल, एसडीएम दिनेश कुमार नाग, एसी मसराम व जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। ओरछा और नारायणपुर में स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा और परंपरागत वाद्ययंत्रों की मन मोहक थाप पर आदिवासी महिला-पुरूष ने कदम ताल के साथ नृत्य किया। कलाकार अपने सिर पर सफेद साफ और फूलों के साथ कंघी और चिड़िया के सफ़ेद पंख लगाये हुए कानों में बाली, हाथों में चमकते हुए कड़े और गले में रंग-बिरंगे पत्थरों की माला धारण किये इन कलाकारों का सादगी भरा श्रृंगार मनमोह लेने वाला था। अबूझमाड़ की धरती पर यह नृत्य महोत्सव अपने आप में खास रहा। विलुप्ति की कगार पर खड़े कोकरेंग नृत्य उसका प्रदर्शन किया गया। वहीं विभिन्न नृत्यों के साथ नारायणपुर में मांदरी नृत्य की धूम रही। नृत्य महोत्सव में बस्तरिया नृत्य, झाली आना नृत्य, मंडप नृत्य, परब नृत्य, लेंजा नृत्य, छेरछेरा, ककसाड़, तुड़बुढ़ी नाच, गेड़ी नृत्य, ढोल नाच, मांदरी, कोकोरेंग, डंडारी नाचा, इत्यादि नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई।

कलेक्टर पीएस एलमा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति को जीवित रखने के लिए राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव आवश्यक था। आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में यह शासन का महत्वपूर्ण कदम है।